हृदय और धड़कन

वर्ष-8, अंक-89, मई 20, 2017

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

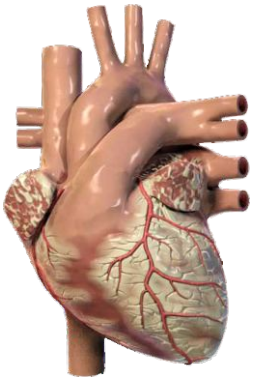

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट	
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
कार्डियक सर्जन	
डॉ. मनन देसाई	+91-96385 96669
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन	
डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन	
डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
कार्डियक एनेस्थेटिस्ट	
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट	
डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ.दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट	
डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
डॉ. स्नेहल पटेल	+91-99981 49794
कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट	
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

डिजिटालिस

क्या है?

कई दवाओं के स्त्रोत पेड़- पौधे होते हैं। सामान्य फोक्स ग्लोव प्लान्ट, डिजिटालिस परपुरिया का उपयोग सन १७८५ से हृदयरोग के निवारण के लिए होता आया है। सर्वप्रथम इस पौधे की पत्तियों को पीस कर उसका पावडर बनाकर उसका उपयोग हार्टफेल्योर (कमजोर हृदय) के लिए होता था।

किस प्रकार कार्य करता है?

डिजिटालिस शरीर के अतिरिक्त प्रवाह को साफ कर श्वसन क्रिया को अधिक सरल बनाता है। इसीसे यह हृदय के कार्य को भी सरल बनाता है। यह दिन में एक बार लिया जाता है और इसकी कीमत भी कम होती है। हृदय के मासपेशियाँ जब निश्चित मात्रा में रक्त को शरीर में पम्प नहीं करते हैं तो हार्टफेल्योर होता है। डिजिटालिस हृदय के हर स्नायु की संकुचन क्रिया को ज्यादा मजबूत बनाता है। डिजिटालिस हृदय की धड़कनों की रफ्तार को कम भी कर सकता है।

किस तरह उपयोग किया जाता है?

डिजिटालिस मूँह के या नस के द्वारा दिया जा सकता है। अति शीघ्र परिणामों के लिए इसे नसों के द्वारा दिया जाता है। डिजिटालिस अधिकतर गोली के रूप में लिया जाता है।

डॉक्टर से सम्पर्क कब करना चाहिए?

निम्नलिखित लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर का सम्पर्क करना चाहिए

- रोगी के दिल की धड़कनें बहुत धीरे चलें
- रोगी के दिल की धड़कनें अधिक जान पड़े
- उबकाई आये। अपच अथवा कमजोरी महसूस हो, तो डॉक्टर का सम्पर्क करें

वासोडायलेटर

वासोडायलेटर क्या है?

वासोडायलेटर रक्तवाहिनियों की दीवार को चौड़ा कर उसके स्नायुओं को आराम देने वाली दवा है। यह रक्त के प्रवहन को सरल बनाता है। वासोडायलेटर सामान्यतया उच्च रक्तचाप की अन्य दवाओं के साथ में दी जाती है। यह दवाएं अकेली बहुत कम उपयोग में ली जाती हैं ।

कब उपयोग में ली जाती है?

वासोडायलेटर सामान्यतया उच्च रक्तचाप को काबू में रखने के लिए ली जाती है। उच्च रक्तचाप हृदय के काम को अधिक जटिल बना देता है और रक्तवाहिनियों को कमजोर कर सकता है, और समय के साथ स्थायी नुकसान हो सकता है। अगर उच्च रक्तचाप का इलाज नह हो तो हृदयरोग का हमला होने का, हृदय बंद पड़ जाने का या किडनी को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। कितने ही वासोडायलेटर एन्जायना (angina) या रक्त की बंद धमनियों के कारण होने वाले दर्द को कम करने में मदद करता है। वासोडायलेटर दवाएं हार्टफेल्योर (Heart failure) वाले रोगियों के लिए बहुत उपयोगी है।

'डॉक्टर साहब मैं सारे दिन काफी कमजोरी व थकान महसूस करता हूं।' एक रोगी ने शिकायत की, 'मैं हमेशा खोया-खोया रहता हूं मुझे आप कुछ ऐसा दें जिससे मैं थोड़ा चपल और सक्रिय हो जाऊं।' 'जरूर मैं तुम्हे अपना बिल भेज देता हूं।'

किस प्रकार कार्य करता है?

वासोडायलेटर सामान्यतया रक्तवाहिनियों (Blood vessels) को चौड़ी करता है। इस तरह यह उच्च रक्तचाप को कम करके अधिक रक्त के वहन को सुनिश्चित कर, यह दवाएं हृदय के कार्यभार को हलका करती हैं। 'एन्जियोटेन्सीन कनवर्टिंग एन्जाइम इनहींबीटर' एक प्रकार का वासोडायलेटर है। ये 'ए.सी.इ. इनहींबीटर' के नाम से जाने जाते हैं।

एक डॉक्टर एक मरीज के घर विजिट पर गया। जांच के बाद डॉक्टर ने रोगी की पत्नी को साइड में बुलाकर कहा, 'आपके पति बीमार नहीं हैं, उन्हे वास्तव में बीमारी का वहम है।' कुछ समय बाद डॉक्टर ने हाल पूछने के लिए फोन किया। 'अब तो इनकी बीमारी बढ़ गई है डॉक्टर।' रोगी की पत्नी ने कहा, 'अब तो इनको लगता है कि वे मर गए हैं।

मैं स्वयं की देखभाल किस तरह कर सकता हूं?

उच्चा रक्तचाप वाले रोगी कई बार अच्छा 'फील' करते हैं। किन्तु सब कुछ सामान्य है ऐसा अनुभव होता हो तो भी अपने डॉक्टर की मुलाकात बंद ना करें और दवा का नियमित सेवन करते रहें। आपकी ली हुई दवा सही ढंग से कार्य कर रही है और उसका कोई बुरा प्रभाव नहीं है, यह अपने डॉक्टर को तय करने दें।

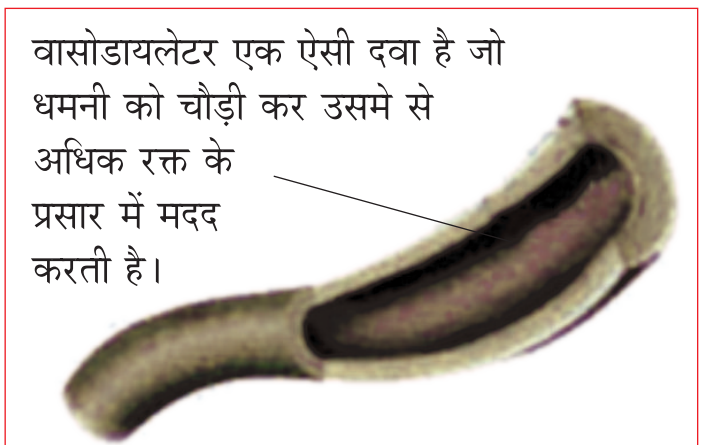

वासोडायलेटर की धमनी पर असर

स्टेम सेल्स, संजीवनी बूटी

अपनी पौराणिक कहानियों में मृत्यु के पश्चात या गंभीर चोटों के बाद मनुष्य को जीवित करने के उदाहरण मिलते हैं। भगवान रामचंद्र के लाडले भाई लक्ष्मणजी लंका में रावण की सेना से लड़ते हुए गंभीर रूप से घायल हुए, तब लंका से एक वैद्य को बुलाया गया था। इस वैद्य ने हिमालय पर्वत से एक खास जड़ी बूटी मंगाई थी। भगवान रामचंद्रजी के सेवक हनुमानजी उस जड़ी-बूटी का पूरा पहाड़ उठा लाए थे, और लक्ष्मणजी का इलाज हुआ था।

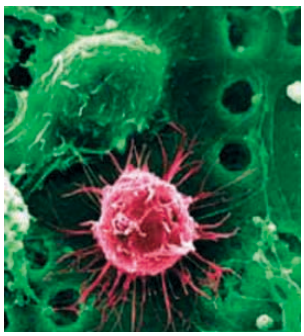

आधुनिक दुनिया में भी ऐसा ही कुछ खोजा जा रहा है ।

हार्ट अटैक के बाद

जैसा हमने देखा कि हार्ट अटैक हृदय के स्नायुओं को रक्त मिलना बंद होने से होता है। जब हृदय के किसी स्नायु को रक्त नहीं मिलता है जब वह स्नायु मृत हो जाती है, स्वयं का काम नहीं कर सकती है और वह अधिक खराब हो सकती है और वह आसपास की तंदरुस्त कोषों के लिए अड़चन बन सकती हैं। हृदयरोग के हमले के बाद हृदय को नुकसान हो ऐसे कोषों को इन्फार्क्ट कहा जाता है।

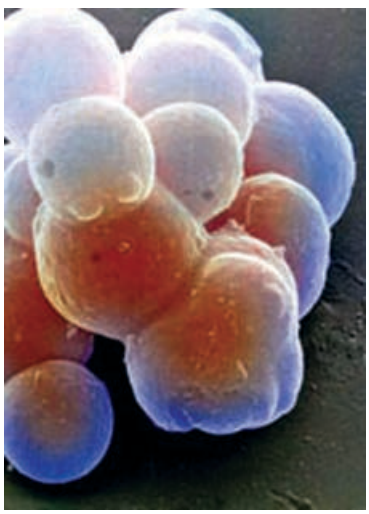

यह इन्फार्कट हृदय को धड़कने नहीं देते हैं, और हृदय के विद्युतप्रवाह का मार्ग बदल देती हैं। ऐसा रोगी हृदय जितना करना चाहिए उससे कम रक्त धकेलता है। इकोकार्डियोग्राफी की जांच में बहुत कम इजेक्शन फ्रेक्शन (हृदय की कार्यक्षमता के पम्पिंग का परिणाम) बताता है।

ऐसे हृदय से रोगी जी तो सकता है पर उसको बहुत कमजोरी आती है, थोड़ा काम करके थक जाए और सांस भी फूल जाता है।

हार्ट अटैक के बाद अगर रोगी का इलाज ठीक तरह नहीं हुआ हो तो रोगी को हमेशा के लिए हृदय की पेशिओं में नुकसान / कमजोरी रह जाती है।

ऐसे केस में स्टेम सेल्स यानि कि हमारे शरीर में पाये जाने वाले कुछ खास प्रकार के रक्त कण संजीवनी की तरह मृत पेशी को कार्यक्षम बनाते हैं।

स्टेम सेल मतलब क्या?

स्टेम सेल शरीर में एक खास प्रकार का कोष है, जिनका विभाजन होकर उससे हृदय के नये कोष बन सकते हैं। ये स्टेम सेल्स से अन्य अंगों के कोष भी बन सकते हैं। इसलिए स्टेम सेल्स हार्ट अटैक व अन्य रोग के रोगियों के लिए भविष्य में संजीवनी की तरह सिद्ध हो सकते हैं।

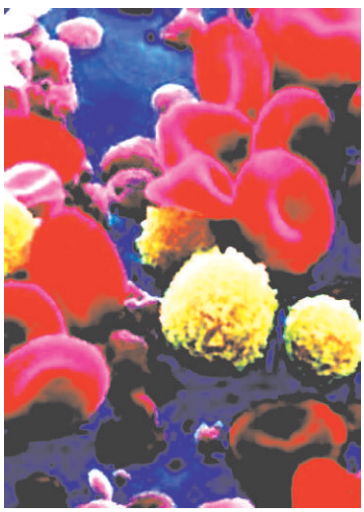

कहां पाए जाते हैं?

स्टेम सेल सामान्य रूप से बोन मेरो (अस्थिमज्जा- हड्डियों के अंदर बीच का गूदा) में मिलता है। इसके अलावा चरबी कोष, स्नायु कोष व गर्भ की नाल में भी स्टेम सेल्स पाये जाते हैं।

अब तो विदेश की कुछ कम्पनियां नये बालक का जन्म होने पर उसकी गर्भ नाल (Umbilical Cord) में से स्टेम सेल्स निकाल कर उसको संभालने की जिम्मेदारी लेने लगी हैं। यह स्टेम सेल्स उस बच्चे को खुद को तथा उसके माता-पिता, और भाई-बहनों के लिए भविष्य में किसी भी गंभीर बीमारी का इलाज करने के लिए उपयोगी हो सकती है।

स्टेम सेल की विशेषता

स्टेम सेल में दो खास बातें होती हैं .....

- यह सामान्य स्वरूप के होते हैं यानि कि यह किसी भी अंग की खास पेशी की तरह किसी खास आकार या कोई खास काम नहीं करती और वह चाहे जितनी बार विभाजित हो सकती हैं।
- निश्चित स्थिति में इनका विभाजन होकर विशिष्ट प्रकार के कोषों का निर्माण होता है, जैसे हृदय के कोष, स्वादपिंड के कोष।

स्टेम सेल का हृदयरोग में उपयोग

सामान्य रूप से हृदय के कोषों का जन्म के बाद विभाजन नहीं होता। इसलिए किसी भी प्रकार की चोट लगने पर वह कायमी चोट बनती है और समय के साथ हृदय धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है और अंत में हार्ट फेल्योर हो सकता है।

हार्ट अटैक के अब तक के इलाज में हृदय के चोट पाए हुए कोष व मृत कोष के हिसाब से उसके आस पास के कोष भी रोगग्रस्त हो सकते हैं और हृदय का अधिक से अधिक भाग निष्क्रिय बन सकता है।

ऐसे समय में रोगग्रस्त कोषों को स्टेम सेल देकर उन्हे पुनः कार्यरत करने में विशेषज्ञों को सफलता मिली है। इस पर दुनिया भर में बहुत सी जगहों पर संशोधन चल रहे हैं, और ऐसा लगता है कि निकट भविष्य में स्टेम सेल रख कर हृदय का खराब हुआ भाग फिर से कार्यक्षम बनाया जा सकेगा।

स्टेम सेल किस तरह दिया जायेगा?

हाल में स्टेम सेल का उपयोग किस प्रकार करना है उस पर अनुसंधान जारी है। स्टेम सेल इन्जेक्शन के द्वारा या एन्जियोग्राफी की तरह जांघ की धमनी में केथेटर डाल कर हृदय की कोरोनरी आर्टरी में भी दे सकते हैं। स्टेम सेल डालने का सबसे अच्छा रास्ता इन अनुसंधानों के निष्कर्षों के बाद पता चलेगा।

स्टेम सेल कब देना और कितना देना इस पर भी अनुसंधान चल रहे है।

भविष्य में ऐसा भी हो सकता है कि हार्ट अटैक के बाद स्टेम सेल का इलाज लेकर मरीज पहले से भी ज्यादा तेज दौड़े और अधिक काम करने की क्षमता प्राप्त कर ले।

सौजन्य **'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख**

सीम्स अस्पताल की मेडिकल टीम में शामिल हुये नये डॉक्टर्स

CIMS

डॉ. राजीव हर्षे
MBBS, MD(ANAE.), DHA, FIP
कन्सलटन्ट पेईन मेनेजमेन्ट
(मो) +91-9825252100
rajeev.harshe@cimshospital.org

डॉ. उदय पटेल
MBBS, DMRD, FVIR
इन्टरवेन्शनल रेडियोलोजीस्ट
(मो) +91-8087955435
uday.patel@cimshospital.org

डॉ. रोनक पटेल
MBBS, MD, DNB
कन्सलटन्ट रेडियोलोजीस्ट
(मो) +91-9654670274
ronakk.patel@cimshospital.org

डॉ. देवेन झवेरी
MBBS, MS, Mch
कन्सलटन्ट न्युरो सर्जन
(मो)+91-9824280706
deven.zaveri@cimshospital.org

डॉ. जीज़ेश पंड्या
MBBS, MD, DNB
कन्सलटन्ट नेफ्रोलॉजीस्ट
(मो)+91-9893622147
jignesh.pandya@cimshospital.org

अपोईन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे : +91-9825066661, +91-79-30101008

CIMS Hospital

सीम्स ट्रोमा सेन्टर

इमरजन्सी के समयमें सीर्फ सीम्स

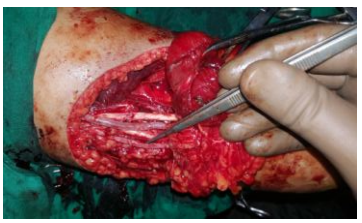
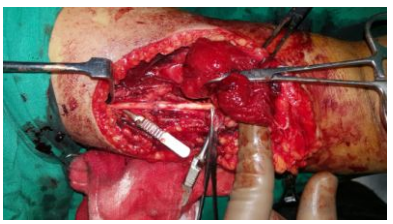

सीम्स ट्रोमा सेन्टर जो अकस्मात और ईजाग्रस्त मरीज़ोको पुर्णतः तत्काल मेडिकल सेवाएं देता गुजरात के श्रेष्ठ सेन्टरोमें से एक है

सहयोगी सेवाएं

- सीने और पेट के गंभीर ईजाओकी सारवार
- चहेरा एवं मेक्सिलोफेशियल सर्जरी
- पीडियाट्रीक ट्रोमा सेन्टर
- एक्युट केर सर्जीकल युनिट और सर्जीकल क्रिटिकल केर विभाग
- सर के ईजा की सारवार
- ओर्थोपेडिक ट्रोमा सर्विस
- बर्न, प्लास्टिक और रिकन्सट्रक्टिव सर्जरी
- वास्क्युलर सर्जरी

- अहमदाबाद का एक विशाल इमरजन्सी और ट्रोमा केर डिपार्टमेन्ट जिसमें 15 में से 7 डिजीटाईझड प्राईवेट बेड के साथ
- एटीएलएस (एडवान्स ट्रोमा लाईफ सपोर्ट)
- ट्रोमाके मरीज़ोकी सारवार के लिये अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकोल सोसायटी ओफ इमरजन्सी मेडीसीन ओफ इन्डिया (SEMI) मान्य गुजरात की एकमात्र हॉस्पिटल

24 X 7

इमरजन्सी और ट्रोमा
हेल्प लाईन / इमरजन्सी
+91-70 69 00 00 00
एम्ब्युलन्स
+91-98244 50000 | +91-97234 50000

CIMS
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

भारत की एकमात्र ऐसी हॉस्पिटल के जहां पे नीचे दी गई मान्यता है
JCI (USA) NABH NABL ACC GreenOT

शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
फोन : +91-79-2771 2771-72, फेक्स : +91-79-2771 2770
ईमेल : info@cims.org | www.cims.org

गुजरात का प्रथम पीडियाट्रीक बोन मेरो ट्रान्सप्लान्ट युनिटका उद्घाटन

सीम्स होस्पिटल द्वारा गुजरात का प्रथम पीडियाट्रीक बोन मेरो ट्रान्सप्लान्ट युनिट का उद्घाटन किया गया जिस में विशेष रुप से थेलेसेमीया पर ज्यादा ध्यान दिया जायेगा । नया बोन मेरो ट्रान्सप्लान्ट युनिट (BMT) जो सीम्स होस्पिटल - अमदावाद, संकल्प इन्डिया फाउन्डेशन - बेंगलोर, क्योरटुचिल्ड्रन (Cure2Chidren) - इटली - अहमदाबाद के सहयोग से चलता है जो विशेष रुप से थेलेसेमीया के बच्चो की सारवार करेगा । जो खुब पीडादायी और भारसे पीडित थेलेसेमीया के बच्चो के लिये आशा की नई किरण है ।

Sankalp India Foundation®
Cure 2 Children Italy
CIMS® CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES Earning Trust with World-Class Practices

CIMS

सीम्स वुमन और चाईल्ड

सीम्स आई.वी.एफ. (IVF)

गुजरात कि विशाल ओब्स्टेट्रिक्स और गायनेक टीमो में से एक

इनफर्टिलिटी के लिये सेवाएँ

- सहायक गर्भधारण-इन्ट्रायुटेराईन इन्सेमीनेशन (IUI) आई.वी.एफ. (IVF) (टेस्ट ट्युब बेबी) और इन्ट्रासाईटोप्लास्मिक स्पर्म इन्जेक्शन (ICSI)
- पुरुष और स्त्री के वांझपन की सारवार
- स्पर्म, अेम्ब्रियो और एग्स / ओवमका कार्योप्रिझर्वेशन
- फ्रोझन, अेम्ब्रियो, ट्रान्सफर
- आसिस्टेड होचिंग

आपका नाम और फोन नंबर नीचे दिये गये नंबर पर भेजे

+91-9099 509 599

हमारी टीम के सदस्य आपको सुबह 8 से शाम के 8 बजे के समयमें संपर्क करेगें

अपोईन्टमेन्ट के लिये फोन : **+91-79-3010 2235** | ईमेल : **opd.rec@cimshospital.org**

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

**शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड,
सोला, अहमदाबाद-380060.**
फोन : +91-79-2771 2771-72, फेक्स : +91-79-2771 2770
ईमेल : info@cims.org | www.cims.org

भारत की एकमात्र ऐसी हॉस्पिटल के जहां पे नीचे दी गई मान्यता है
JCI (USA) NABH NABL ACC cGreenOT

24 x 7 हेल्पलाईन : +91-90 99 50 95 99 | एम्ब्युलन्स : +91-98244 50000 | इमरजन्सी : +91-97234 50000

CIMS

सीम्स न्युरो सायन्सीस

दिमाग, कमर और रीढ़ की हड्डी (करोडरज्जु)

अनुभवी और निष्णांत डॉक्टर्स

अत्याधुनिक तकनीक

विश्वस्तरीय सुविधा

अपोईन्टमेन्ट के लिये फोन : **+91-79-3010 2235** | ईमेल : **opd.rec@cimshospital.org**

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड,
सोला, अहमदाबाद-380060.
फोन : +91-79-2771 2771-72, फेक्स : +91-79-2771 2770
ईमेल : info@cims.org | www.cims.org

भारत की एकमात्र ऐसी हॉस्पिटल के जहां पे नीचे दी गई मान्यता है
JCI (USA) NABH NABL ACC GreenOT

24 x 7 हेल्पलाईन : +91-90 99 50 95 99 | एम्ब्युलन्स : +91-98244 50000 | इमरजन्सी : +91-97234 50000

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2016-2018 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-72

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

Care At Homes℠
home health @ your doorstep

संपूर्ण आरोग्य
सारवार आपके घर
24x7

नर्सिंगकी सुविधा: मरीज़ को लाने-ले जाने में मदद, घाव की संभाल और ड्रेसिंग, अंतःनलीय एवं विविध प्रकार के इन्जेकशन्सकी सुविधा, पेशाबकी नली डालनी और संभाल, गले की नली और अन्ननली डालने और उसकी संभाल

विशेष नर्सिंगकी सुविधा: डायाबीटीज के मरीज की देखरेख, कीडनी के मरीज़ की देखरेख, दिमाग के मरीज़ की देखरेख, ट्रान्सप्लान्ट के बाद की देखरेख, ड्रेसिंग

अन्य सुविधाएं : मेडिकल उपकरण किराये पे और बेचना

देखरेख रखने कि सुविधाएं : न्हाना, मावजत और टोयलेट्रीकी सुविधा, मरीज़ की अपोईन्टमेन्ट और ले जाने में मदद, मरीड़ के लिये वोकर और व्हील चेर से चलाने में मदद, पोषणयुक्त खोराक लेने में मदद, दवाओ निर्देशानुसार याद कराने के लिये

फिझियोथेरापी सुविधाएं: फीझीयोथेरापी, डायेटिशीयन

तबीबी साधन किराये पे

- आई.वी. स्टेन्ड
- बाई-पेप
- इन्युझन पम्प
- स्फिगमोमेनोमीटर
- नेब्युलाइझर
- अेयर बेड / वोटर बेड
- नीम्बस अेयर बेड
- सकशन मशीन
- ओक्सिजन सिलीन्डर बी-टाईप
- ओक्सिजन कोन्सन्ट्रेटर (Os HR)
- मल्टी-पेरामीटर मोनीट
- फुल्ली अने सेमी मोटराइझड बेड
- फोलर और सेमी फोलर बेड
- व्हील चेर

तबीबी साधन बेचना

- बी.पी. मापने का साधन
- पल्स ओक्सिमीटर
- ग्लुकोमीटर
- नेब्युलाइझर मशीन
- थर्मोमीटर
- सकसन मशीन
- अेयर-बेड वोटर बेड
- वोकर
- वोकिंग स्टीक
- वेइंग स्केल

एक फोन कीजीये और यह सभी सुविधाएं आपके घर पर प्राप्त करे **+91-90990 67988**

www.careathomes.com

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।